संसद भवन के आस-पास काम करने वाले सफाई कर्मचारी

3378. **श्री राम नरेश कुशवाहा :** क्या **शहरी विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि संसद भवन के बाहर सफाई करने के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति ठेकेदारों के द्वारा की जा रही है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि पहले संसद भवन के बाहर सफाई का काम केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के स्थायी कर्मचारियों द्वारा किया जाता था ;

(ग) यदि हां, तो केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के स्थायी कर्मचारियों के स्थान पर इस सफाई के कार्य को ठेकेदारों द्वारा नियुक्त कर्मचारियों द्वारा कराए जाने के क्या कारण है; और

(घ) सफाई कार्य में लगे सफाई कर्मचारियों के ठेकेदारों को अब तक कितनी राशि का भुगतान किया जा चुका है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) संसद भवन के बाहर सफाई कार्य ठेकेदारों के माध्यम से कराया जा रहा है ।

(ख) इससे पहले यह कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा लगाये गए नैमित्तिक श्रमिकों द्वारा कराया जा रहा था ।

(ग) प्रशासनिक कारणों से यह कार्य ठेकेदारों को सौंपा गया है ।

(घ) 1-4-86 से 31-10-86 तक की अवधि के लिए सफाई कार्य हेतु अब तक ठेकेदारों को 29,400 रुपये की राशि का भुगतान किया गया है ।

काली बाड़ी क्षेत्र के ब्लाकों में पानी की सप्लाई

3379. **श्री सूरज प्रसाद :** क्या **शहरी विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि नई दिल्ली में काली बाड़ी क्षेत्र के जे०, एम० और के० ब्लाकों में पानी की सप्लाई बन्द रहती है जबकि एच-12 ब्लाक में सुबह 7 बजे से रात 10 बजे तक पानी की नियमित सप्लाई रहती है ;

(ख) क्या सरकार उपरोक्त सभी ब्लाकों में एक समान समय तक पानी की सप्लाई किये जाने की कोई व्यवस्था करने का विचार रखती है ; और

(ग) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री दलबीर सिंह) : (क) से (ग) सूचना एकत्र की जा रही है तथा सभापटल पर रख दी जाएगी ।

Irregularities in awarding contract by NCCF

3380. SHRI VIRENDRA VERMA: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES be pleased to state;

(a) whether it is a fact that some time back contract for lifting and selling of about 2550 mts. of dry dates (chip chaps) worth Rs. 4 crore imported from India during 1984-83 was awarded by the Managing Director, NCCF Limited at a throw-away price to a relatively unknown and inexperienced party viz. M/s. Vinod Kumar Ved Parkash Aggarwal of Gadodia Market, Khari Bauli, Delhi without verifying its financial status and ignoring the established procedure of tender system;

(b) whether it is also a fact that despite various slippages and defaults in lifting of the goods within the stipulated time schedule committed